इस्राएल को एकत्रित करने में बहनों की भागीदारी

अध्यक्ष रसल एम. नेलसन द्वारा

मैं आप, गिरजे की महिलाओं से, बिखरे हुए इस्राएल को एकत्रित करने में सहायता देकर भविष्य का निर्माण करने के लिये भविष्यसंबंधी याचना करता हूं ।

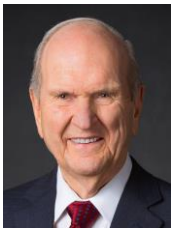

मेरी प्रिय और कीमती बहनों, आपके साथ होना शानदार है । हाल का अनुभव शायद आपको बताएगा कि मैं आपके और आपकी दिव्य योग्यताओं, जो आपको मिली हैं, के विषय में कैसा महसूस करता हूं ।

एक दिन दक्षिण अमेरिका में सभा को बोलते हुए, मैं अपने विषय पर अत्याधिक उत्साहित हो गया, और एक विशेष क्षण पर, मैंने कहा, "दस बच्चों की मां के तौर पर, मैं आपको बता सकता हूं ..." और फिर मैं अपने संदेश को पूरा किया ।

मुझे पता नहीं चला कि मैंने मां शब्द कहा था । मेरे अनुवादक ने, समझते हुए कि मैंने गलत बोला है, मां शब्द को पिता से बदल दिया, इसलिय लोगों को पता नहीं चला कि मैंने स्वयं को मां कहा था । लेकिन मेरी पत्नी वैंडी ने इसे सुना, और वह मेरी अंजानी गलती पर प्रसन्न हुई थी ।

उस क्षण, मेरे हृदय की संसार को बदलने की गहन भावना–जिसे केवल एक मां करती है–मेरे हृदय से बाहर आ गई थी । मेरे जीवन के दौरान, जब कभी मुझ से पूछा गया है क्यों मैंने डॉक्टर बनना चुना, मेरा जवाब हमेशा वही रहा है: "क्योंकि मैं एक मां बनना नहीं चुन सकता था ।"

कृपया समझे कि जब भी मैं शब्द मां का उपयोग करता हूं, मैं केवल उन महिलाओं के बारे में नहीं बोल रहा जिन्होंने इस जीवन में बच्चों को जन्म दिया या गोद लिया है । मैं अपने स्वर्गीय माता-पिता की सभी वयस्क बेटियों के बारे में बोल रहा हूं । प्रत्येक महिला अपनी अनंत दिव्य प्रकृति के कारण एक मां है ।

इसलिये आज रात, दस बच्चों–नौ बेटियां और एक बेटे के पिता–और गिरजे के अध्यक्ष के तौर पर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप समझ सकें कि मैं आपके बारे में कितनी गहराई से महसूस करता हूं–आप कौन हैं और सब भलाई जो आप करती हैं । कोई उसे नहीं कर सकता जो एक धार्मिक महिला कर सकती है । कोई भी मां के प्रभाव की नकल नहीं कर सकता ।

पुरूष अक्सर दूसरों के प्रति स्वर्गीय पिता और उद्धारकर्ता के प्रेम को प्रकट कर सकते और करते हैं । लेकिन महिलाओं के पास इसके लिये एक विशेष उपहार है–एक दिव्य उपहार । आपके पास किसी की आवश्यकता–और यह उन्हें कब चाहिए, इसे समझने की क्षमता है । आप किसी की आवश्यकता के सही मौके पर उस तक पहुंचती, दिलास देती, सीखाती और मजबूती देती हो ।

स्त्रियां पुरुषों से भिन्न तरह से चीजों की देखती हैं, और ओह, हमें आपके इस दृष्टिकोण की जरुरत है ! आपकी प्रकृति आपको दूसरों के बारे में पहले सोचने, विचार करने को ले जाती है कि किसी कार्य का प्रभाव दूसरों पर क्या होगा ।

जैसे अध्यक्ष आइरिंग ने बताया, यह हमारी महान मां हव्वा थी–जिसने हमारे स्वर्गीय पिता की योजना की अति महत्वपूर्ण दिव्य समझ के कारण–उसे आरंभ किया था जिसे हम पतन कहते हैं । उनके समझदार और सहासी निर्णय और आदम के समर्थन के कारण परमेश्वर की सुख की योजना आरंभ हुई थी । उन्होंने हम में से प्रत्येक के लिये पृथ्वी पर आना, शरीर प्राप्त करना, और साबित करना संभव किया था कि हम यीशु मसीह का अब समर्थन करते हैं, ठीक जैसे हमने पूर्व-अवस्था में किया था ।

मेरी प्रिय बहनों, आपके पास विशेष आत्मिक उपहार और प्राकृतिक प्रवृतियां हैं । आज रात, मैं आपसे याचना करता हूं, अपने हृदय संपूर्ण आशा से, अपने आत्मिक उपहारों को समझने–बढ़ाने, उपयोग करने, और उनका विस्तार करने, जितना आपके पास हैं उससे अधिक पाने के लिये प्रार्थना करें । आप संसार को बदल देंगी जब आप ऐसा करती हैं ।

महिला के तौर, आप दूसरों को प्रेरणा देती और योग्य अनुसरण करने का स्तर स्थापित करती हो । मैं आपको हमारे पिछले महा सम्मेलन में की गई दो मुख्य घोषणाओं का एक छोटा सा उदाहरण देता हूं । आप, मेरी बहनों, उन दोनों में बहुत जरूरी हो ।

पहले, सेवकाई । सेवकाई का सर्वोत्तम आदर्श हमारे उद्धारकर्ता, यीशु मसीह का है । समान्यत:, स्त्रियां पुरुषों के मुकाबले उस स्तर के अधिक निकट हैं और हमेशा रही हैं । जब आप वास्तव में सेवा करती हो, तो आप दूसरों को उद्धारकर्ता का प्रेम अनुभव करने में मदद के लिये अपनी अनुभूतियों का अनुसरण करती हो । सेवा करने का स्वाभाविक झुकाव धार्मिक महिलाओं में जन्म से होता है । मैं उन महिलाओं को जानता हूं जो प्रतिदिन प्रार्थना करती हैं, "आज आप मुझ से किस की मदद करवाएंगे ?"

अप्रैल 2018 की दूसरों की देख-भाल करने के उच्चतर और पवित्रतर तरीकों की घोषणाओं से पहले, कुछ पुरुषों की आदत घर की शिक्षा के मासिक कार्य को "चिन्हित करना" और अन्य कार्य में लग जाना था ।

लेकिन जब आपको लगता था कि जिस बहन से आप भेंट कर रही थी, उसे मदद चाहिए, तो आप तुरंत कार्यवाही करती और फिर पूरे महिने पूछती रहती हैं । आपके इस प्रकार, भेंट करने से हम सेवकाई का स्तर उठाने के लिये प्रेरित हुए थे ।

दूसरा, पिछले महा सम्मेलन में, हमने मलकिसिदिक पौरोहित्य परिषदों का भी पुन:निर्माण किया था । जब हम गिरजे के पुरुषों की मदद करने के लिये जूझ रहे थे कि कैसे वे अपनी जिम्मदारियों में अधिक प्रभावित हों, हमने ध्यानपूर्वक सहायता संस्था के उदाहरण का विचार किया था ।

सहायता संस्था में, विभिन्न आयु और जीवन के पढ़ावों की स्त्रियां एकसाथ मिलती हैं । जीवन के प्रत्येक पढ़ाव अलग-अलग चुनौतियां लाते हैं, और फिर भी, आप, प्रत्येक सप्ताह, एकसाथ मिलकर, सुसमाचार में बढ़ते और सीखाते हुए, और संसार में वास्तव में बदलाव ला रही थी ।

अब, आपके उदाहरण का अनुसरण करते हुए, मलकिसिदिक पौरोहित्य धारक एल्डर परिषद के सदस्य हैं । ये पुरुष, एकसमान व्यापक पौरोहित्य और गिरजे के अनुभवों के साथ, 18 से 98 (या अधिक) की आयु के हैं । ये भाई अब मिलकर सीखने, और दूसरों को अधिक प्रभावशाली ढंग से आशीष देने के लिये मजबूत आपसी संबंध स्थापित कर सकते हैं ।

आपको याद है कि पिछली जून, बहन नेलसन और मैंने गिरजे के युवाओं से बात की थी । हमने उन्हें परदे के दोनों को इस्राएल को एकत्रित करने में मदद के लिये प्रभु के युवा दल में शामिल होने का निमंत्रण दिया था । यह एकत्रित होना आज

पृथ्वी पर महानत्तम चुनौती, महानत्तम अभियान, और महानत्तम कार्य है !

यह ऐसा अभियान है जिसमें महिलाओं की अत्याधिक आवश्यकता है, क्योंकि स्त्रियां भविष्य का निर्माण करती हैं । इसलिये आज रात, मैं आप, गिरजे की महिलाओं से, बिखरे हुए इस्राएल को एकत्रित करने में सहायता देकर भविष्य का निर्माण करने के लिये भविष्यसंबंधी याचना करता हूं ।

आप कहां से आरंभ कर सकती हैं ?

मैं चार निमंत्रण देता हूं :

पहला, मैं आपको दस दिनों के लिये समाजिक मिडिया और किसी अन्य मिडिया से दूर रहने का निमंत्रण देता हूं जो आपके मन में नाकारात्मक और अशुद्ध विचार लाता है । इस समय के दौरान जानने के लिये प्रार्थना करें कि कौन से प्रभावों को हटाना है । दस दिन की अवधि का प्रभाव आपको हैरान कर सकता है । संसार के उन विचारों से दूर रहने के बाद जो आपकी आत्मा को घायल कर रहे थे, आप क्या देखती हैं ? अब जहां आप अपना समय और ऊर्जा लगाना चाहती हो, क्या उसमें कोई बदलाव हुआ है? क्या आपकी प्राथमिकताएं बदली हैं–बेशक थोड़ी बहुत ? मैं आपसे प्रत्येक प्रभाव को रिकार्ड करने और इसका पालन करने का आग्रह करता हूं ।

दूसरा, मैं आपको अब से लेकर साल के अंत तक मॉरमन की पुस्तक पढ़ने का निमंत्रण देता हूं । बेशक जीवन के अन्य कार्यों के साथ जो आप करती हैं उसमें यह कितना भी असंभव लगे, यदि आप इस निमंत्रण को संपूर्ण हृदय से स्वीकार करती हैं, तो प्रभु आपको इस पूरा करने में मदद करेगा । और, जब आप प्रार्थनापूर्वक अध्ययन करती हैं, तो मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि स्वर्ग से आपको आशीष मिलेगी । प्रभु आपको अधिक प्रेरणा और प्रकटीकरण से आशीषित करेगा ।

जब आप पढ़ती हैं, तो मैं आपको उन वाक्यों को चिन्हित करने के लिये उत्साहित करता हूं, जो उद्धारकर्ता के विषय में बताता, या संदर्भ करता है । फिर, अपने परिवारों और मित्रों से मसीह के विषय में बात करने, मसीह में आनंदित होने, और मसीह का प्रचार करने में विचार करें । इस प्रक्रिया के माध्यम से आप और वे उद्धारकर्ता के निकट आएंगे । और बदलाव, यहां तक कि चमत्कार भी होने आरंभ हो जाएंगे ।

आज सुबह नई रविवार सारणी और घर-केंद्रित, गिरजा समर्थित पाठ्यक्रम के संबंध में घोषणा की गई । आप, मेरी बहनें, इस नये, संतुलित सुसमाचार-शिक्षा के प्रयास की सफलता के लिये महत्वपूर्ण हो । कृपया जो आप धर्मशास्त्रों से सीखती हैं, उन बातों को उन्हें भी सीखाएं जिन से आप प्रेम करती हैं । उन्हें सीखाएं कैसे उद्धारकर्ता की चंगाई देने वाली और शुद्ध करने वाली शक्ति पर भरोसा करना है, जब वे पाप करते हैं । और उन्हें सीखाएं कैसे उसकी मजबूत करने वाली शक्ति को प्रतिदिन अपने जीवन में प्राप्त किया जाता है ।

तीसरा, नियमित मंदिर जाने का नियम स्थापित करें । इसके लिये आपको जीवन में थोड़ा अधिक बलिदान करने की जरूरत होगी । मंदिर में अधिक नियमित समय देने से प्रभु आपको सीखायेगा कैसे उसकी पौरोहित्य शक्ति को प्राप्त करना है जिसे आपको उसके मंदिर में प्रदान किया गया है । उनके लिये जो मंदिर के निकट नहीं रहते, मैं आपको प्रार्थनापूर्वक मंदिरों के विषय में धर्मशास्त्रों और जीवित भविष्यवक्ताओं के वचनों का अध्ययन करने का निमंत्रण देता हूं । मंदिरों के बारे में पहले से अधिक जानने, अधिक समझने, अधिक महसूस करने का प्रयास करें ।

पिछली जून हमारी विश्वव्यापी युवा सभा में, मैंने एक युवक के विषय में बोला था जिसका जीवन बदल गया था जब उसके माता-पिता ने उसे समार्ट-फोन के बदले साधारण फोन दिया था । इस युवक की मां एक निडर विश्वासी महिला है । उसने देखा उसका बेटा उस ओर जा रहा था जो उसे मिशन पर जाने से रोक सकता था । वह मंदिर में यह जानने के लिये गई कि वह कैसे अपने बेटे की मदद कर सकती थी । फिर उसने उस प्रभाव का अनुसरण किया जो उसने महसूस किया था ।

उसने कहा: "मैंने महसूस किया आत्मा ने मुझे अपने बेटा के फोन की विशिष्ट समय पर विशिष्ट बातों की जांच करने को प्रेरित किया । मैं नहीं जानती थी कि इन स्मार्टफोनों की कैसे जांच करनी है, लेकिन आत्मा ने सारे समाजिक मिडिया को देखने में मेरा मार्गदर्शन किया जिनका उपयोग मैंने पहले कभी नहीं किया ! मैं जानती हूं आत्मा उन माता-पिता का मार्गदर्शन करती है जो अपने बच्चों की सुरक्षा करना चाहते हैं । [पहले] मेरा बेटा मुझ पर गुस्सा हुआ । ... लेकिन केवल तीन दिनों के बाद, उसने मेरा धन्यवाद किया ! वह अंतर महसूस कर सकता था ।"

उसके बेटे के व्यवहार और दृष्टिकोण में अत्याधिक परिवर्तन हुआ । वह घर में अधिक मददगार, अधिक खुश रहने, और गिरजे में अधिक ध्यान लगाने लगा था । उसे मंदिर के

बपतिस्मे में भाग लेना अच्छा लगता था और अब वह मिशन पर जाने की तैयारी कर रहा है ।

मेरा चौथा निमंत्रण, उनके लिये है जिनकी आयु, सहायता संस्था में पूर्णरूप से भाग लेने की है । मैं आपसे नया सहायता संस्था उद्देश्य वक्तव्य का अध्ययन करने का आग्रह करता हूं । यह प्रेरणादायक है । यह आपको अपने स्वयं के जीवन के उद्देश्य के वक्तव्य का विकास करने में मदद कर सकता है । मैं आपको लगभग बीस साल पहले छपे सहायता संस्था घोषणा की सच्चाइयों को अनुभव करने की विनती भी करता हूं । इस घोषणा की फ्रेम की गई प्रतिलिपि प्रथम अध्यक्षता के कार्यालय में लगी है । हर बार मैं जब इसे पढ़ता हूं मैं आनंदित हो जाता हूं । यह बताती है आप कौन हैं और इस विशिष्ट समय पर प्रभु आप से किसकी मदद करवाना चाहता है जब आप बिखरे हुए इस्राएल को एकत्रित करने में अपनी भूमिका निभाती हो ।

मेरी प्रिय बहनों, हमें आपक जरूरत हैं ! मैं आपकी ताकत, आपके परिवर्तन, आपकी निष्ठा, नेतृत्व करने की आपकी योग्यता, आपके ज्ञान, और आपकी वाणी की जरूरत है ।"[4] हम आपके बिना इस्राएल को एकत्रित नहीं कर सकते ।

मैं आपसे प्रेम करता और आपका धन्यवाद देता हूं, और अब आपको इस महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य में मदद करने के लिये संसारिक प्रभावों को अपने पर हावी न होने की योग्यता की आशीष देता हूं । हम मिलकर वह सब कर सकते हैं जो हमारा स्वर्गीय पिता उसके पुत्र के द्वितीय आगमन के लिये संसार को तैयार करने के लिये हम से करवाना चाहता है ।

यीशु ही मसीह है । यह उसका गिरजा है । इसकी गवाही मैं यीशु मसीह के नाम में देता हूं, आमीन ।

विवरण

1. Russell M. Nelson, “Hope of Israel” (worldwide youth devotional, June 3, 2018), HopeofIsrael.lds.org.
2. देखें 2 नफी 25:26 ।
3. For the Relief Society declaration, see Mary Ellen Smoot, “Rejoice, Daughters of Zion,” *Liahona,* Jan. 2000, 111–14.
4. Russell M. Nelson, “A Plea to My Sisters,” *Liahona,* Nov. 2015, 96; emphasis added.

गिरजे का सही नाम

अध्यक्ष रसल एम. नेलसन द्वारा

यीशु मसीह ने हमें गिरजे को उसके के नाम से पूकारने का निर्देश दिया है क्योंकि यह उसका गिरजा है, उसकी शक्ति से भरा हुआ ।

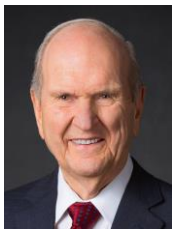

मेरे प्रिय भाइयों और बहनों, इस सुंदर सब्त के दिन हम प्रभु की बहुत सी आशीषों को मिलकर आनंद उठाते हैं । हम यीशु मसीह के पुनास्थापित सुसमाचार की आपकी गवाहियों, उसके अनुबंधित मार्ग में बने रहने या लौटने, और उसके गिरजे में आपकी समर्पित सेवा के लिए आभारी हैं ।

आज मैं आप से अतिमहत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करने के लिये बाध्य महसूस करता हूं ।

कुछ सप्ताह पूर्व, मैंने गिरजे का सही नाम बोलने पर एक वक्तव्य जारी किया था ।[1] मैंने ऐसा इसलिये किया था क्योंकि प्रभु ने मेरे मन पर उस नाम के महत्व का प्रभाव डाला था जो उसने अपने गिरजे के लिये घोषित किया था, अर्थात अंतिम-दिनों के संतों का यीशु मसीह का गिरजा ।[2]

जैसा कि आप आशा कर सकते हैं, इस वक्तव्य के और संशोधित शैली निर्देशिका3 के जवाब मिलेजुले रहे हैं । बहुत से सदस्यों ने तुरंत गिरजे के नाम को अपने ब्लॉग और समाजिक मिडिया के पृष्ठों में ठीक कर दिया । दूसरों ने सोचा, बाकी सबकुछ जो संसार में हो रहा है उनके चलते, "इतनी छोटी सी बात" को महत्व नहीं देना चाहिए । और कुछ ने कहा ऐसा नहीं किया जा सकता, तो कोशिश ही क्यों करें ? मैं समझाता हूं क्यों हम इस विषय पर इतना ध्यान देते हैं । लेकिन पहले मैं यह बता दूं कि यह प्रयास क्या नहीं है:

- यह नाम बदलना नहीं है ।
- यह पुनाब्रांड बनाना नहीं है ।
- यह अधिक आर्कषक बनाना नहीं है ।
- यह बिना सोचा-समझा नहीं है ।
- और यह छोटी सी बात नहीं है ।

असल में, यह एक सुधार है । यह प्रभु की आज्ञा है । जोसफ स्मिथ ने उसके द्वारा पुनास्थापित गिरजे को नाम नहीं दिया था; न ही मॉरमन ने दिया था । उद्धारकर्ता ने स्वयं कहा था, "क्योंकि मेरा गिरजा अंतिम-दिनों में इस प्रकार कहलाया जाएगा, अर्थात अंतिम-दिनों के संतों का यीशु मसीह का गिरजा ।"[4]

यहां तक की, 34 ईस्वी में, हमारे पुनाजीवित प्रभु ने उसके गिरजे के सदस्यों को इसी प्रकार निर्देशन दिया था जब उसने उनसे अमेरिकी उपमहाद्वीप में मुलाकात की थी । उस समय उसने कहा था:

"इसलिए गिरजे का नाम तुम मेरे नाम पर रखोगे । ...

"और यह मेरा गिरजा कैसे हो सकता है यदि इसे मेरे नाम से न पूकारा जाए ? क्योंकि यदि गिरजे का नाम मूसा के नाम पर रखा जाएगा तो वह मूसा का गिरजा होगा; या यदि इसका नाम किसी व्यक्ति के नाम पर रखा जाएगा तो यह उस व्यक्ति का गिरजा होगा; परन्तु यदि इसका नाम मेरे नाम पर होगा तो यह मेरा गिरजा होगा ।"[5]

इस प्रकार गिरजे का नाम बदला नहीं जा सकता । जबकि उद्धारकर्ता ने स्पष्टरूप से बताया है कि उसके गिरजे का नाम क्या होना चाहिए, और उसने अपनी घोषणा के आरंभ में कहा है, "इस प्रकार मेरा गिरजा पूकारा जाएगा," वह इस विषय में गंभीर है । और यदि हम अन्य नामों का उपयोग करते हैं या उन नामों को स्वयं बढ़ावा देते हैं, तो उसे बुरा लगता है ।

नाम में क्या है, या इस विषय में, उपनाम में क्या है ? जब गिरजे के उपनामों की बात होती है जैसे "अदिस गिरजा," "मॉरमन गिरजा," या "अंतिम-दिनों के संतों का गिरजा," स्पष्ट रूप से इनमें उद्धारकर्ता के नाम का न होना है । प्रभु के गिरजे से प्रभु का नाम हटाना शैतान की बहुत बड़ी जीत है । जब हम उद्धारकर्ता के नाम का उपयोग नहीं करते हैं, तो हम उन सब कार्यों को अस्वीकार कर रहें जो यीशु मसीह ने हमारे लिया किया था—यहां तक कि उसका प्रायश्चित भी ।

इस पर उसके दृष्टिकोण से विचार करें: नश्वरतापूर्व रूप से वह यहोवा था, पुराने नियम का परमेश्वर । अपने पिता के

निर्देशन के अधीन, वह इस और अन्य संसारों का सृष्टिकर्ता था ।[6] उसने पिता की आज्ञा के प्रति समर्पित होने और कुछ ऐसा करने का चयन किया जिसे कोई अन्य नहीं कर सकता था ! अपनी महिमा का त्याग कर पृथ्वी पर शरीर में पिता के एकलौते पुत्र के रूप में आया, क्रूरता से उसको ठट्ठों में उड़ाया गया, थूका गया, और कोड़े मारे गए । गतस्मनी के बाग में, हमारे उद्धारकर्ता ने अपने ऊपर प्रत्येक दर्द, प्रत्येक पाप, और आप और मेरा द्वारा अनुभव की गई सारी वेदना और कष्ट को, और उसके भी अन्य जो कभी भी जीया है या कभी जीएगा । उस दर्दनाक बोझ कारण, उसके प्रत्येक रोम छिद्र से लहू बहा था ।[7] यह सारे कष्ट अत्याधिक बढ़ गए थे जब वह कलवरी की सलीब पर निर्दयता से चढ़ा दिया गया था ।

इन दर्दनाक अनुभवों और उसके पुनरुत्थान के द्वारा–उसका अनंत प्रायश्चित–हम सबों को यदि हम पश्चाताप करते हैं तो, अमरत्व प्रदान करता है, और हम में से प्रत्येक को पाप के प्रभावों से मुक्ति दिलाता है ।

उद्धारकर्ता के पुनरुत्थान और उसके प्रेरितों की मृत्यु के पश्चात, दुनिया सदियों तक अंधकार में थी । फिर वर्ष 1820 में, परमेश्वर पिता और उसका पुत्र, यीशु मसीह, प्रभु के गिरजे को पुनास्थापित करने के लिये भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ को प्रकट हुए ।

उसके सबकुछ सहने के पश्चात–मानवजाति के लिये उसके सबकुछ करने के पश्चात, मैं अत्याधिक खेद महसूस करता हूं कि हमने अनजाने में प्रभु के पुनास्थापित गिरजे को अन्य नामों से पूकारना स्वीकार किया है जोकि प्रत्येक यीशु मसीह के पवित्र नाम को हटता है !

प्रत्येक रविवार को हम प्रभु-भोज में भाग लेते हैं, हम स्वर्गीय पिता के साथ अपनी पवित्र प्रतिज्ञा को नवीन करते हैं कि हम अपने ऊपर उसके पुत्र, यीशु मसीह का नाम धारण करने की इच्छा करते हैं ।[8] हम उसका अनुसरण करने, पश्चाताप करने, उसकी आज्ञाओं का पालन करने, सदैव उसे स्मरण करने की प्रतिज्ञा करते हैं ।

जब हम उसके गिरजे से उसका नाम हटा देते हैं, हम बिना सोच-समझे उसे हमारे जीवनों के केंद्र से हटा रहे हैं ?

उद्धारकर्ता का नाम अपने ऊपर धारण करने में शामिल है दूसरों को घोषणा करना और गवाही देना–हमारे कार्यों और हमारे शब्दों के द्वारा–कि यीशु ही मसीह है । क्या हम उसे जिसने हमें मॉरमन कहा है अपमानित करने से इतने भयभीत हो गए हैं, कि हम स्वयं उद्धारकर्ता की रक्षा करने में असफल रहे हैं, कि हम उसकी रक्षा करें अर्थात उस नाम में जिसके द्वारा उसके गिरजे को पूकारा जाए ? यदि हमें लोग और व्यक्ति के रूप में यीशु मसीह के प्रायश्चित की शक्ति को पाना है–हमें शुद्ध करने और चंगाई देने के लिये, हमें शक्ति देने और हमारा विकास करने, और अंतत: अपना उत्कृष प्राप्त करने के लिये–तो हमें अवश्य ही उसे उस शक्ति का स्रोत स्वीकार करना चाहिए । हम उसके गिरजे को उसके घोषित नाम द्वारा पूकार कर आरंभ कर सकते हैं ।

क्योंकि अधिकतर दुनिया के लिये, वर्तमान में प्रभु का गिरजा "मॉरमन गिरजे" के रूप में जाना जाता है । लेकिन हम प्रभु के गिरजे के सदस्यों के रूप में जानते हैं कि इसका मुखिया कौन है: यीशु मसीह स्वयं । दुर्भाग्य से, बहुत से जो शब्द मॉरमन सुनते हैं शायद सोचते हैं कि हम मॉरमन की आराधना करते हैं । ऐसा नहीं है ! हम उस महान प्रचीन अमेरिकन भविष्यवक्ता का सम्मान और आदर करते हैं ।[9] लेकिन हम मॉरमन के शिष्य नहीं हैं । हम प्रभु के शिष्य हैं ।

पुनास्थापित गिरजे के आरंभिक दिनों में, शब्द जैसे मॉरमन गिरजा और मॉरमन[10] अक्सर–निर्दयता, गाली के लिये विशेषण के रूप में प्रयोग किए जाते थे –यीशु मसीह के गिरजे को इन अंतिम दिनों में पुनास्थापित करने में परमेश्वर के हाथ को छिपाने के लिये।[11]

भाइयों और बहनों, गिरजे के सही नाम को पुनास्थापित करने के विरूद्ध बहुत से संसारिक तर्क हैं । क्योंकि डिजिटल संसार जिसमें हम रहते हैं, और सर्च इंजन में सुधार के साथ जो हमें किसी भी सूचना को तुरंत उपलब्ध करने में मदद करते हैं–प्रभु के गिरजे की सूचना सहित–विरोधी कहते हैं कि यह सुधार इस समय अकलमंदी नहीं है । दूसरे महसूस करते हैं कि क्योंकि हम व्यापकरूप से "मॉरमन" और "मॉरमन गिरजे" के रूप में जाने जाते हैं, हम इसका अच्छा उपयोग करना चाहिए ।

यदि यह मानव-निर्मित संगठन की छाप बदलने के विषय में चर्चा होती, तो ये तर्क ठीक हो सकते हैं । लेकिन इस महत्वपूर्ण विषय में, हम उसे देखते हैं जिसका यह गिरजा है और स्वीकार करते हैं कि प्रभु के विचार और हमारे विचार एक समान नहीं हैं । यदि हम धैर्य रखेंगे और अपना कार्य अच्छे से करते हैं, तो प्रभु हमें इस महत्वपूर्ण कार्य में मदद करेगा । आखिरकार, हम जानते हैं कि प्रभु उनकी मदद करता है जो उसकी इच्छा पूरी करने का प्रयास करते हैं, ठीक जैसे उसने समुद्र पार करने के लिये जहाज बनाने में नफी की मदद की थी ।[12]

इन गलतियों में सुधार करने के हमारी कोशिशों में हमें विनम्र और धैर्य रखना होगा । जिम्मेदार मीडिया हमारे अनुरोध का जवाब देने में समझदार रहेगा ।

पिछले महा सम्मेलन में, एल्डर बेनजीमन डी होयोस ने इस प्रकार की घटना के विषय में बोला था । उन्होंने कहा :

"कुछ साल पहले मैक्सिको में गिरजे के सार्वजनिक मामलों के कार्यालय में सेवा करते समय, [मेरा साथी और मैं] एक रेडियो बातचीत में भाग लेने के लिये निंमत्रित किए गये थे ... [एक कार्यक्रम निर्देशक ने हमसे पूछा], 'गिरजे का नाम इतना लंबा क्यों है ? ...'

"मेरा साथी और मैं इस विशेष प्रश्न पर मुस्कराए और फिर समझाया कि गिरजे का नाम मनुष्य द्वारा चुना नहीं गया था । यह उद्धारकर्ता द्वारा दिया गया था । ... कार्यक्रम निर्देशक ने तुरंत और आदर से जवाब दिया था, 'हम इस बहुत खुशी से दोहराएंगे ।'"[13]

यह रिपोर्ट एक नमूना पेश करती है । एक एक करके, लोगों के रूप में हमारे उत्तम प्रयासों की आवश्यकता है उस गलती को सुधारने की जो कई वर्षों से स्वीकार की जा रही है ।[14] शेष संसार हमें सही नाम से पूकारने के लिये हमारे मार्गदर्शन का पालन करे या न करे । लेकिन हमारा परेशान होना गलत होगा यदि अधिकतर संसार गिरजे और इसके सदस्यों को गलत नाम से पूकारता जबकि हम स्वयं भी वैसा ही करते हैं ।

हमारी संशोधित शैली निर्देशिका सहायक है । यह कहती है: "प्रथम संदर्भ में, गिरजे का पूरा नाम: 'अंतिम-दिनों के संतों का यीशु मसीह का गिरजा ।' जब छोटा किया जाए तो दूसरे संदर्भ की आवश्यकता है, शब्द 'गिरजा' या 'यीशु मसीह का गिरजा' का उपयोग करें । 'यीशु मसीह का पुनास्थापित गिरजा' भी सही है और उपयोग किया जाना चाहिए ।"[15]

यदि कोई पूछता है, "क्या आप मॉरमन हैं ?" आप जवाब दे सकते हैं, "यदि आप पूछ रहे हैं कि क्या मैं अंतिम-दिनों के संतों के यीशु मसीह के गिरजे का सदस्य हूं, तो हां मैं हूं !" यदि कोई पूछता है, "क्या आप अंतिम-दिनों के संत हो ?"16 आप जवाब दे सकते हैं, "हां, मैं हूं । मैं यीशु मसीह में विश्वास करता हूं और उसके पुनास्थापित गिरजे का सदस्य हूं ।"

मेरे प्रिय भाइयों और बहनों, मैं आपसे प्रतिज्ञा करता हूं कि यदि हम प्रभु के गिरजे का सही नाम फिर से स्थापित करने में अपना सर्वोत्तम करेंगे तो, वह जिसका यह गिरजा है अपनी शक्ति और आशीषों को अंतिम-दिनों के संतों के सिरों पर इस तरह उंडेलेगा,[17] जैसा हमने पहले कभी नहीं देखी हैं । हमारे पास यीशु मसीह के पुनास्थापित सुसमाचार की आशीषों को प्रत्येक राष्ट्र, जाति, भाषा, और लोगों तक पहुंचाने और संसार को प्रभु के द्वितीय आगमन के लिये तैयार करने में परमेश्वर का ज्ञान और शक्ति होगी ।

इसलिये, नाम में क्या है ? जब बात प्रभु के गिरजे के नाम के विषय में होती है, तो उत्तर है "सबकुछ!" यीशु मसीह ने हमें गिरजे को उसके के नाम से पूकारने का निर्देश दिया है क्योंकि यह उसका गिरजा है, उसकी शक्ति से भरा हुआ ।

मैं जानता हूं कि परमेश्वर जीवित है । यीशु ही मसीह है । वह आज अपने गिरजे का मार्गदर्शन करता है । मैं यह गवाही यीशु मसीह के पवित्र नाम में देता हूं, आमीन ।

विवरण

1. प्रभु ने उनके द्वारा प्रकट किये गए गिरजे के नाम के महत्त्व के बारे में मेरे मन को प्रभावित किया है, जो है अंतिम-दिनों के संतों का यीशु मसीह का गिरजा | हमे कार्य करना है खुदको उनकी आज्ञा के अनुसार बनाने के लिए | पिछले कुछ हफ़्तों में, गिरजे के अधिकारीयों और विभागों ने यह करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं | इस महत्वपूर्ण विषय के बारे मैं और जानकारी आने वाले महीनों में दीजाएगी" (Russell M. Nelson, in "The Name of the Church" [official statement, Aug. 16, 2018], mormonnewsroom.org).

2.गिरजे के पूर्व अध्यक्षों ने इसी प्रकार के निवेदन किये हैं | उदाहरण के लिए, अध्यक्ष जॉर्ज अल्बर्ट स्मिथ ने कहा : "इसे मॉर्मन चर्च केह कर प्रभु को निराश मत कीजिए | उन्होंने इसे मॉर्मन चर्च केह कर संबोधित नहीं किया था" (in Conference Report, Apr. 1948, 160).

3.देखें "Style Guide—The Name of the Church," mormonnewsroom.org.

4.सिद्धांत और अनुबंध 115:4

5.3 नफी 27:7–8 |

6.देखें मूसा 1:33 |

7.देखें सिद्धांत और अनुबंध 19:18 ।

8.देखें मोरोनी 4:3; सिद्धांत और अनुबंध 20:37, 77 ।

9.मॉरमन, मॉरमन की पुस्तक के चार प्रमुख लेखकों में से एक था, नफी, याकूब, और मोरोनी अन्य थे । सभी प्रभु के चश्मदीद गवाह थे, जैसे प्रेरित अनुवादक, भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ था । सभी प्रभु के चश्मदीद गवाह थे, जैसे प्रेरित अनुवादक, भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ था ।

10.यहाँ तक कि उपहास के लिए मोरमनाइट्स शब्द का भी प्रयोग किया गया था (see *History of the Church,* 2:62–63, 126).

11.लगता है कि दूसरे विशेषण नए नियम के समय हुए थे | फिलिक्स के सामने प्रेरित पौलुस की जाँच के दौरान, कहा गया कि पौलुस "नाज़रीनेस दल के सरदार थे" (प्रेरितों काम 24:5) | इस वाक्यांश "नाज़रीनेस के" के बारे में एक विवरणकार ने लिखा : "यह नाम अक्सर ईसाईयों को दिया जाता था उनकी निन्दा करने के लिए | उन्हें ये इसलिए कहा जाता था क्योंकि यीशु नेज़ारेथ केथे (Albert Barnes, Notes, Explanatory and Practical, on the Acts of the Apostles [1937], 313).

इसी प्रकार, एक दूसरी कमेंटरी कहती है : "जिस प्रकार हमारे प्रभु को निन्दा के साथ 'नैज़रीन' (Matt. xxvi. 71) कहा जाता था तो यहूदियों ने उनके शिष्यों को 'नैजरिंस' कह कर बुलाया | वे नहीं मानते थे की वे ईसाई हैं, मसीह के शिष्य" (The Pulpit Commentary: The Acts of the Apostles, ed. H. D. M. Spence and Joseph S. Exell [1884], 2:231).

इससे सम्बंधित, एल्डर नील ए. मैक्सवेल ने गौर किया : "सम्पूर्ण धर्मशास्त्रों के इतिहास में, हम देखते हैं कि बार-बार कोशिश की गई है भविष्यवक्ताओं को निचा दिखने के लिए ताकि उन्हें नाकर दिया जाए - उन्हें छोटा बनाने के लिए उनपर लेबल लगाया जाए | ज़्यादातर, लेकिन, उनके समय के लोगों और धर्म निरपेक्ष इतिहास द्वारा उन्हें नज़रअंदाज़ कर दिया जाता था | आख़िरकार, पूर्व ईसाईयों को केवल "नॅज़ारींस का दल" कहा जाता था | *(प्रेरितों के काम 24:5 |)* Out of Obscurity," *Ensign,* Nov. 1984, 10).

12.देखें 1 नफी 18:1–2 ।

13.Benjamín De Hoyos, "Called to Be Saints," *Liahona*, May 2011, 106.

14.जबकि हमारे पास कोई नियंत्रण नहीं है कि कोई हमें किस प्रकार संबोधित करेगा, हमारे पास पूर्ण नियंत्रण है कि हम स्वयं को किस प्रकार संबोधित करते हैं | हम कैसे उम्मीद कर सकते हैं की दूरसे लोग गिरजे के सही नाम का आदर करेंगे यदि हम इसके सदस्यों के रूप में ऐसा करने में असफल हो जायें ?

15."Style Guide—The Name of the Church," mormonnewsroom.org.

16.संत शब्द का प्रयोग प्रवित्र बाइबिल में कई बार किया गया है | उदाहरण के तौर पर, इफिसियों के लिए पौलुस की पत्री में, उन्होंने संत शब्द का हर अध्याय में कम से कम एक बार प्रयोग किया | संत एक ऐसा व्यक्ति है जो यीशु मसीह में विश्वास करता है और उनका अनुसरण करने का प्रयास करता है |

17.देखें सिद्धांत और अनुबंध 121:33 ।

© 2018 by Intellectual Reserve, Inc. सर्वाधिकार सुरक्षित भारत में छपी | अंग्रेजी अनुमत्ति : 6/17 | अनुवाद अनुमति : 6/17 | *First Presidency Message, November 2018* का अनुवाद | Hindi. 15054 294